भारत - टोंगा संबंध

टोंगा और भारत के बीच परंपरागत रूप से घनिष्ठ संबंध रहे हैं। स्वर्गीय किंग टूपो IV और क्वीन ने 1971 और 1976 में भारत की यात्राएं की थीं। भारतीय प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने 1981 में टोंगा का दौरा किया था। टोंगा के अनेक व्यक्तियों, जिनमें शाही परिवार के सदस्य शामिल हैं, ने आईटीईसी कार्यक्रम के अंतर्गत रक्षा संबंधी और अन्य पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण प्राप्त किया है। टोंगा में कई भारतीय विशेषज्ञों की प्रतिनियुक्ति भी की गई थी। जुलाई 1972 में, स्वर्गीय प्रिंस तुइपेलेहेक भारत में भारतीय सैन्य अकादमी में शामिल होने वाले टोंगा के पहले नागरिक बने।

1999 में सुवा में भारतीय उच्चायोग को पुन: खोले जाने के बाद से भारत और टोंगा के बीच संपर्क लगातार बढ़े हैं। टोंगा के तत्कालीन प्रधान मंत्री/विदेश मंत्री ने मई 2002 में भारत का दौरा किया था और प्रधान मंत्री, विदेश मंत्री और कृषि मंत्री के साथ मुलाकात की थी।

संयुक्त राष्ट्र सुधारों के विषय में विदेश मंत्री के विशेष दूत ने अगस्त 2005 में टोंगा का दौरा किया था। भारतीय जलसेना के पोत – आईएनएस 'टाबर' ने जुलाई 2006 में टोंगा की सद्भावना यात्रा की थी। ऑन बोर्ड आयोजित हुए एक स्वागत समारोह में प्रधान मंत्री, केबिनेट मंत्री, राजनयिक कॉर्प्स, वरिष्ठ अधिकारियों और भारतीय समुदाय के सदस्य शामिल हुए। टोंगा से बड़ी संख्या में लोग जहाज को देखने आए थे। सीओ और डीए ने क्राउन प्रिंस के साथ कैनबरा में मुलाकात की।

विदेश राज्य मंत्री ने 18-19 अक्टूबर, 2007 को टोंगा में हुई पोस्ट फोरम डायलॉग पार्टनर्स मीटिंग के लिए गए शिष्टमंडल का नेतृत्व किया। विदेश मंत्री ने स्वर्गीय किंग जॉर्ज टूपो V को कर्टसी कॉल की थी।

स्वर्गीय किंग जॉर्ज टूपो V 11 से 30 सितंबर, 2009 तक भारत की निजी यात्रा पर आए थे।

टोंगा को आईटीईसी कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिवर्ष 5 प्रशिक्षण स्लॉट प्रदान किए गए हैं। वर्ष 2012-13 में सिविल प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले व्यक्तियों की संख्या 4 थी तथा 2014-15 में 10 स्लाटों का उपयोग किया गया। वर्ष 2015-16 के लिए 15 स्लॉट आबंटित किए गए हैं। वर्ष 2011-2012 के दौरान 7, 2012-13 के दौरान 4 और 2013-14 के दौरान 10 टोंगाई रक्षा सेवा कार्मिकों ने भारत में विभिन्न प्रशिक्षण संस्थाओं में रक्षा प्रशिक्षण प्राप्त किया। मार्च 2007 में सुवा में सतत विकास विषयक 'टेरी' कार्यशाला में टोंगा के दो विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। 'सोलर इंजीनियर' बनने के लिए दो 'ग्रांडमदर्स' ने बेयरफूट कॉलेज, तिलोनिया में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लिया।

भारत सरकार ने व्हार्फ से हुंगा गांव तक संपर्क सड़क के निर्माण के लिए तथा हुंगा में जेटी के स्तरोन्नयन के लिए वर्ष 2007 में प्रत्येक काम के लिए 100,000 अमरीकी डॉलर का सहायता अनुदान प्रदान किया था। भारत सरकार ने जुलाई 2014 में सुनामी चेतावनी प्रणाली के लिए 3,00,000 अमरीकी डॉलर, अक्टूबर 2014 में ''लोक सेवा आयोग के कार्यालय की आई सी टी अवसंरचना को अपग्रेड करना'' नामक परियोजना प्रस्ताव के लिए 1,15,000 अमरीकी डॉलर और सितंबर 2015 में ''दखल एवं अवैध पारेषण का अनुवेदन सहित स्पेक्ट्रम निगरानी'' नामक परियोजना के लिए 71,627 अमरीकी डॉलर का सहायता अनुदान भी प्रदान किया था।

8 दिसंबर, 2008 को भारत ने टोंगा की सेना के निए माननीय कार्यवाहक रक्षा मंत्री तुआतोमोपो तुपो को 1200 पूर्ण वर्दी सैट प्रदान किए थे।

सुश्री अलीसिकेलिनी टूइटा, अधिशाषी अधिकारी, शिक्षा मंत्रालय, महिला कल्याण एवं संस्कृति ने 21-26 फरवरी 2010 को भारत का दौरा किया था और जयपुर में 10वें राष्ट्रमंडल भारत लघु व्यवसाय प्रतिस्पर्धा विकास कार्यक्रम में भाग लिया। टोंगा राष्ट्रीय ओलंपिक कमिटी के कार्यकारी बोर्ड सदस्य डॉ0 अमनकी फकाकोवी ने 8-12 मार्च 2010 को नई दिल्ली में मिशन प्रमुखों की सेमीनार में भाग लिया। अक्टूबर 2010 में

नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रमंडल खेलों के लिए क्वीन्स बैटन रिले (क्यूबीआर) के 19-22 मई 2010 तक टोंगा से गुजरने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए उच्चायुक्त ने 18 से 21 मई तक टोंगा की यात्रा की थी। इन खेलों में टोंगा ने मुक्केबाजी में दो कांस्य पदक जीते थे।

उच्चायुक्त ने 27 मार्च 2012 को स्वर्गीय किंग जॉर्ज टूपो V के अंतिम संस्कार में भारत का प्रतिनिधित्व किया था।

माननीया लोक सभा अध्यक्ष श्रीमती मीरा कुमार ने राष्ट्रमंडल संसदीय सभा मध्यवार्षिक कार्यकारी समिति की बैठक में भाग लेने के लिए 17-20 अप्रैल 2012 को टोंगा का दौरा किया था। नागालैण्ड की विधान सभा के माननीय अध्यक्ष श्री कियानिली पेसेयी और राजस्थान विधान सभा के माननीय अध्यक्ष श्री दीपेंद्र सिंह शेखावत ने भी इस बैठक में भाग लिया था। माननीया अध्यक्ष ने टोंगा में अपने ठहरने के दौरान 19 अप्रैल को कोलोमोटुआ सौर परियोजना को शुरू किया था।

भारतीय सांस्कृतिक केंद्र, सुवा के एक 5-सदस्यीय सांस्कृतिक कला जत्थे ने हैलाला फेस्टिवल में भाग लेने के लिए 17 से 21 जुलाई तक 2012 में टोंगा का दौरा किया था।

23 से 25 अक्टूबर, 2013 तक नई दिल्ली में एशिया और प्रशांत में बाल अधिकारों के लिए दक्षिण-दक्षिण सहयोग विषयक द्वितीय उच्च स्तरीय बैठक में भाग लेने के लिए मिस्टर पोनेपेट टॉनीसिला, उप निदेशक, शिक्षा एवं प्रशिक्षण मंत्रालय के नेतृत्व में टोंगा के शिष्टमंडल ने भारत का दौरा किया था।

फिजी की अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 19 नवंबर, 2014 को फिजी में आयोजित भारत - प्रशांत द्वीपीय देश मंच (एफ आई पी आई सी) की शिखर बैठक में प्रधानमंत्री लॉर्ड तुईवाकनो के नेतृत्व में टोंगा के शिष्टमंडल ने भाग लिया। प्रशांत देशों (टोंगा सहित) के संबंध में 19 नवंबर, 2014 को माननीय प्रधान मंत्री द्वारा की गई घोषणाएं निम्नलिखित हैं: (i) 1 मिलियन डालर के एक विशेष अनुकूलन कोष का गठन, (ii) टेली - मेडिसीन एवं टेली - एजुकेशन के लिए अखिल प्रशांत द्वीप परियोजना का विकास, (iii) प्रशांत द्वीप के देशों - कुक द्वीप समूहों, किंगडम ऑफ टोंगा, टुवालु, नौरू गणराज्य, किरिबाटी गणराज्य, वनौतू सोलोमन द्वीप समूह, समोया, नीयू, पलायू गणराज्य, माइक्रोनेशिया संघीय गणराज्य, मार्शल द्वीप गणराज्य, फिजी, पपुआ न्यू गिनिया के लिए आगमन पर भारतीय वीजा, (iv) प्रशांत द्वीप के देशों के लिए प्रति वर्ष सहायता अनुदान को बढ़ाकर 2,00,000 डालर करना जिसे हमारे विकास सहयोग के लिए एक व्यापक क्षेत्र प्रदान करने के लिए शुरू किया जाएगा, (v) भारत में प्रशांत द्वीप मंच के देशों के लिए व्यापार कार्यालय की स्थापना, (vi) आई टी पी ओ द्वारा आयोजित प्रदर्शनियों के दौरान प्रशांत द्वीप मंच के देशों के लिए कंप्लीमेंटरी स्पेस प्रदान करना, (vii) कृषि, स्वास्थ्य देखरेख एवं आईटी जैसे क्षेत्रों सहित अनेक क्षेत्रों में प्रशांत द्वीप के देशों में आई टी ई सी विशेषज्ञों की प्रतिनियुक्ति, (viii) प्रशांत द्वीप के देशों के राजनयिकों के लिए प्रशिक्षण का आयोजन करना, (ix) प्रशांत द्वीप के देशों के लिए विशिष्ट अतिथि कार्यक्रम शुरू करना, (x) 2015 में भारत में प्रशांत द्वीप के देशों एवं भारत के नेताओं की अगली शिखर बैठक का आयोजन करना, (xi) लोगों के जीवन की गुणवत्ता एवं संचार की सुविधाओं में सुधार के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के अप्लीकेशन के प्रयोग में सहयोग, (xii) जलवायु परिवर्तन की निगरानी, आपदा जोखिम कटौती तथा प्रबंधन एवं संसाधन प्रबंधन के लिए डाटा की हिस्सेदारी की संभावनाओं का पता लगाना और (xiii) परंपरागत दवाओं में संयुक्त अनुसंधान करना; इस क्षेत्र के लोगों के लाभ के लिए स्वास्थ्य देखरेख की सुविधाएं विकसित करना।

टोंगा के एक राजनयिक ने मई, 2015 में नाडी, फिजी में विदेश सेवा संस्थान द्वारा प्रशांत द्वीप के देशों के राजनयिकों के लिए आयोजित प्रशिक्षण में भाग लिया।

21 जून 2015 को टोंगा में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।

फिजी स्थित भारतीय उच्चायोग ने 4 जुलाई 2015 को किंग टोपोउ VI के ताजपोशी समारोह में भाग लिया।

21 अगस्त 2015 को जयपुर में आयोजित भारत - प्रशांत द्वीप सहयोग मंच (एफ आई पी आई सी) की दूसरी शिखर बैठक में भाग लेने के लिए कृषि, खाद्य, वन एवं मछली पालन मंत्री माननीय सेमिसी फाकाहाउ के नेतृत्व में टोंगा के एक शिष्टमंडल ने भारत का दौरा किया।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय उच्चायोग, सुवा की वेबसाइट :
http://www.indianhighcommissionfiji.org
भारतीय उच्चायोग, सुवा का फेसबुक पेज :
https://www.facebook.com/IndiainFiji
भारतीय सांस्कृतिक केंद्र, भारतीय उच्चायोग, सुवा का फेसबुक पेज :
https://www.facebook.com/ICCHighcomindSuva

https://www.facebook.com/YogainTonga

***

जनवरी, 2016